MASA-02

December - Examination 2016

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

ललित साहित्य एवं नाटक

Paper - MASA-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स'तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य))

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। अपना उत्तर एक शब्द एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में सीमित करें। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है।

1) (i) मेघदूतम् के लेखक कौन हैं?

(ii) अभिज्ञानशाकुन्लम् की नायिका कौन हैं?

(iii) कालिदास किस रीति के प्रसिद्ध कवि हैं?

(iv) विशाखदत्त की प्रमुख कृतियों का नामोल्लेख कीजिये?

(v) मृच्छकटिकम् के लेखक कौन हैं?

(vi) 'मृच्छकटिकम्' का शाब्दिक अर्थ क्या है?

(vii) प्रबन्ध काव्य किसे कहते हैं?

(viii) करुण रस के भाव का नाम लिखें?

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरात्मक प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित करें। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(i) कश्चित्कान्तरिहगुरुणा स्वाधिकारात् प्रमत्त:
शापेनास्तंगमितमहिमा वर्षभोग्येण भर्तु:।
यक्षश्चक्रे जनकतनयास्नानपुण्योदकेषु
स्निग्धच्छायातरुषु वसतिं रामगिर्याश्रमेषु।।

(ii) शून्यमपुत्रस्य गृहं, चिरशून्यं नास्ति यस्य सन्मित्राम्।
मूर्खस्य दिश: शून्या:, सर्वं शून्यं दरिद्रस्य।।

3) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए।

(i) जातं वंशे भुवनविदिते पुष्करावर्तकानां
जानामि त्वां प्रकृतिपुरुषं कामरुपं मघोन:
तेनार्थित्वं त्वयि विधिवशाद् दूरबन्धुर्गतोऽहं
याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा।।

(ii) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचै:
प्रारभ्य विघ्नविहिता विरमन्ति मध्या:।
विघ्नै: पुन: पुनरपि प्रतिहन्यमाना:
प्रारब्धमुत्तमगुणा न परित्यजन्ति।।

4) 'काव्येषु नाटकं रम्यं' पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिये?

5) मुद्राराक्षस की कथावस्तु पर संक्षिप्त लेख लिखिये?

6) राक्षस का चरित्र–चित्रण कीजिए?

7) रूपक की परिभाषा दीजिये व रूपक के भेदों का उल्लेख करें?

8) 'उपमा कालिदासस्य' उक्ति की सोदाहरण विवेचना कीजिये?

9) नाटिका को परिभाषित कर संक्षिप्त विवेचन करें?

(खण्ड – स) **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : दो प्रश्नों के उत्तर दें। अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करें। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) चाणक्य व राक्षस का तुलनात्मक चरित्र चित्रण कीजिए?

11) रूपकों के भेदों का विस्तार से वर्णन करें?

12) मुद्राराक्षस की नाट्य कला का वर्णन कीजिए?

13) चारुदत्त का चरित्र चित्रण कीजिए?